बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा की मुहिम

दैनिक भास्कर
देश का विश्वसनीय अखबार
25 मई 2023 | कुल पृष्ठ 18
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की मुहिम तेज

"1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम"

भास्कर ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाई को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल

में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया।अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। मौजूद गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर. डब्ल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र बरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अथलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाज़िरी भरी।

नये भारत का अखबार

गुड़गांव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत हरियाणा के सभी जिलों, चण्डीगढ़ और दिल्ली में प्रसारित

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 24 मई। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्राय: घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकों के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कांधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्राय: लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रात: बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हज़ार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र धरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

www.gurgaontoday.in

गुड़गांव टुडे

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई और मज़बूत

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम।

गुड़गांव टुडे, गुरुग्राम

मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीक़े से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्राय: घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : 'मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने'।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहां एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है 'कँधे मूँज जनेऊ साजे' और बताया कि मूँज यानी घास का यज्ञोपवीत प्रभु

हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्राय: लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रात: बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बाँधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहां श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका 'देवता जी' की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हज़ार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुन्नी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अथलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाज़िरी भरी।

Regional Supplement
हरियाणा केसरी
गुरुग्राम केसरी
Punjab Kesari, Delhi 25 मई 2023, गुरुवार 1

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

गुड़गांव, 24 मई (ब्यूरो): हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीक़े से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही हैए क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्राय: घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया।

भक्तजनों को संबोधित करते बोधराज सीकरी।

बोध राज सीकरी ने जहां एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है " काँधे मूँज जनेऊ साजे " और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्राय: लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

● ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

हयूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कांधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी घास का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका रेखा जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र धरेजा, भीम, किशोरी लाल टुटेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजरी भरी।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार | गुरुग्राम | दिनाँक : 25/5/23

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई ।

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण ।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ–बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने" । समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है " काँधे मूँज जनेऊ साजे " और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी–भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस–दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका "देवता जी" की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

पायनियर
नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राजः बोधराज

-युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई मजबूत
-अब तक 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया।युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेंद्र गोसाईं ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्द में ग्रंथों का राज छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सातेबार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुरेशिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया।

इस अवसर पर मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान आरडबल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी छाबडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

संस्करण

अमर भारती

एक उम्मीद

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

अमर भारती संवाददाता

गुरुग्राम। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोधराज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाई को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाई ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया -मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कांधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाई की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

राष्ट्रीय दैनिक ई-पेपर

भारत सारथी

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

भारत सारथी

गुरुग्राम। मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्राय: घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है काँधे मूँज जनेऊ साजे और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्राय: लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रात: बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप सुधरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुन्नी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र खरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अश्वलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

RNI No. UPHIN/2013/53868

बुलंद खोज

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

8

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

एक लाख 86 हजार 140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की मुहिम

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का छिपा है राज - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुमार। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोध राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्राय- लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी

द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उन्होंने गजेंद्र गोसाईं के सहयोग की सराहना की। मंगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी ब्लॉक में प्रात- 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया जिसका संचालन सुरेश सीकरी द्वारा किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित शिव मंदिर में 30 लोगों ने 10-10 बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी व अन्य सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी। इस मौके पर राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, आरडब्ल्यूए प्रधान दलीप लूथरा, सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एमके अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी छाबड़ा, सरदार गुरिंदर साहनी, नरेंद्र कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टंडन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुन्नी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अदलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार, श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया आदि मौजूद रही।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 62787/2014

रण टाइम्स

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई

- 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम
- ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है - बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण ।

राजू गुप्ता

गुरुग्राम, (रण टाइम्स)। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीक़े से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया = ÷मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने÷ ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है ÷ काँधे मूँज जनेऊ साजे ÷ और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हज़ार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

- 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम
- ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है : बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता सतबीर भारद्वाज

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने" ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है " कांधे मूँज जनेऊ साजे " और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका "देवता जी" की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चावला, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एम.के. खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चावला, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुन्नी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र खरेजा, भीम, किशोरी लाल टुटेजा, राजपाल नासा, सुभाष अबलाना, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

3 म्हारा हरियाणा
दक्षिणी हरियाणा के जल संकट को किया दूर : मनोहर लाल

6 विचार क्रान्ति
कश्मीर में जी-20 की बैठक से बदलेगा माहौल

8 हरियाणा
हरियाणा पुलिस ने दिया राजस्थान के परिवार को तोहफा

10 पर्यटन
एलीफेंटा गुफाओं की बात है निराली, जानिए इनके बारे में

12 हरियाणा
हर वर्ग के मान-सम्मान को संकल्पित सरकार : कमलेश ढांडा

पेज 11

राष्ट्रीय दैनिक
जगत क्रान्ति

वर्ष : 44 अंक : 143
जीन्द
गुरुवार, 25 मई, 2023
पृष्ठ 12 | मूल्य ₹2

हरियाणा का सर्वमान्य लोकप्रिय हिन्दी दैनिक | E-paper : http://jagatkranti.co.in | E-mail: jagatkrantijind@gmail.com | जीन्द (हरियाणा) से प्रकाशित

युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका में हनुमान चालीसा मुहिम

■ **1.86 लाख के पार पहुंची बोधराज सीकरी की मुहिम**

जगत क्रान्ति ⏭ एमके अरोड़ा

गुरुग्राम : न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाईं ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं।

बोध राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहीं उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उन्होंने गजेंद्र गोसाईं के सहयोग की सराहना की। मंगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी ब्लॉक में प्रातः 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया जिसका संचालन सुरेश सीकरी द्वारा किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित शिव मंदिर में 30 लोगों ने 10-10 बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी व अन्य सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
www.haryanakiaawaz.in

सबसे तेज... सबसे आगे

हरियाणा की आवाज

भिवानी, चंडीगढ़, हिसार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:12 AM

ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राज : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया। युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेंद्र गोसाईं ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्द में ग्रंथों का राज छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सात बार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान आरडब्ल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा व अन्य उपस्थित थे।

8:12 AM

ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : www.jyotidarpan.com

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है – बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये महिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की महिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया = +मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने+ ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है + कांधे मूँज जनेऊ साजे + और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती हैं और हर मंगलवार की तरह जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ़ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। महिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका +देवता जी+ की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हज़ार से अधिक लोगों के आने की आशा है। गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाईं, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अभलखा, मियाँवाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाईं और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाज़िरी भरी।

Bharat Sarathi
A Complete News Website

गुरुग्राम

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई ……

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है – बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण ।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर सुशोभायमान किया और गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने" ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है " काँधे मूँज जनेऊ साजे " और बताया कि मूँज वाली घास का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते है। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे है। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती है और हर मंगलवार की तरह जानपुर शिव मंदिर, ट्रस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके है।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका "देवता जी" की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

Bodhraj Sikri – 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

Viral Sach : Bodhraj Sikri – कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीक़े से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया।

ढाई सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हें बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुक़ाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाईं को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया। गजेंद्र गोसाईं ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया।

बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने" ।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक ओर हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है " काँधे मूँज जनेऊ साजे " और बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धागे का यज्ञोपवीत डालते हैं।

इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाईं की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए।